



अभिव्यक्ति

राजभाषा विभाग,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
रायपुर मंडल
अंक : 15, जुलाई - अगस्त 2022

मार्गदर्शक श्याम सुंदर गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक	मुख्य संपादक लोकेश विश्वादी, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी	संपादक निकेश कुमार पाण्डेय, राजभाषा अधिकारी	उप संपादक मनोज कुमार साहू वरिष्ठ अनुवादक
---	--	---	--

76वां स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के विभिन्न कार्यालयों एवं स्टेशनों पर 76 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम रायपुर रेल मंडल कार्यालय के प्रांगण में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता, विशिष्ट अतिथि के रूप में अध्यक्ष, सेक्रो, श्रीमती राधा गुप्ता एवं श्री राजेश शेखावत IRICEN (इरिसेन) पुणे की गरिमामयी उपस्थित रही।

इस अवसर पर सर्वप्रथम मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता ने मंडल सुरक्षा आयुक्त, श्री संजय कुमार गुप्ता की अगुवाई में परेड की सलामी ली। अतिथियों के स्वागत से कार्यक्रम प्रारंभ किया गया तथा मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता द्वारा राष्ट्रगान की सुमधुर धुन के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस



अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल, सिविल डिफेंस एवं स्काउट-गाइड के सदस्यों द्वारा

आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात मंडल रेल प्रबंधक द्वारा रेल परिवार एवं उपस्थित जन समूह को संबोधित किया गया।

सर्वप्रथम मंडल रेल प्रबंधक ने स्वतंत्रता सेनानियों का स्मरण करते हुए सभी कर्मचारियों, यात्रियों, संगठनों, सेक्रो को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। आगे उन्होंने कहा कि इस वर्ष आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। अतः आज का दिन हम सभी देशवासियों के लिए एक ऐतिहासिक एवं गौरवशाली दिन है। आज के दिन हमें उन सभी अमर शहीदों एवं अनाम देशभक्तों को याद करना चाहिए जिन्होंने आजादी के लिए अपनी शहादत दी और लंबे संघर्ष के बाद हमें दासता से मुक्ति दिलाई।

उन्होंने यह भी कहा कि आजादी के दीवानों के सपनों को साकार करने लिए, एक नए भारत के निर्माण के लिए तथा पूरी दुनिया में अपनी अमिट पहचान बनाने के लिए हमें तन-मन-धन से जुटे भी रहना चाहिए।

रायपुर रेल मंडल ने यात्री सुविधाओं, रेलवे ट्रैक मेंटेनेंस, खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन, सुरक्षा-संरक्षा, उत्कृष्ट माल लदान, में अच्छा प्रदर्शन किया है। केवटी से अंतागढ़ तक 17 किलोमीटर नई रेल लाइन पर पहली बार 13 अगस्त को पैसेंजर रेल सेवा चलाई गई।



इस वर्ष स्टाफ वेलफेयर के तहत हैल्थ मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एच एम आई एस) मॉड्यूल, स्टाफ क्वार्टर, चिल्ड्रन पार्क, ओपन जिम तथा मेडिकल संबंधी कई सुविधाएं प्रदान की गई। उन्होंने इन सभी कार्यों के लिये रेल कर्मचारियों एवं अधिकारियों की प्रशंसा की।

अंत में मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता एवं अध्यक्ष, सेक्रो, रायपुर श्रीमती राधा गुप्ता द्वारा राष्ट्रीय एकता को प्रदर्शित करने वाले तिरंगे गुब्बारे और शांति के प्रतीक श्वेत कबूतरों को नीले आकाश में छोड़ कर सभी को उत्साहित किया गया। इस अवसर पर स्काउट गाइड के सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा.) श्री आशीष मिश्रा, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री लोकेश विश्वाई, समस्त शाखा अधिकारी एवं अन्य विभागीय अधिकारी सहित सेक्रो की पदाधिकारीगण, यूनियन के प्रतिनिधिगण, मीडिया के सदस्य एवं बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी उपस्थित थे। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री उदय कुमार भारती के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।



सेक्रो, रायपुर द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर श्रीमती राधा गुप्ता, अध्यक्ष, सेक्रो, रायपुर द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, रायपुर द्वारा संचालित टिनी टॉट स्कूल-1 एवं टिनी टॉट स्कूल-2, डब्ल्यू आर एस कॉलोनी, रायपुर में ध्वजारोहण किया गया।

इस अवसर पर सेक्रो अध्यक्ष श्रीमती राधा गुप्ता द्वारा रायपुर मंडल चिकित्सालय एवं रेल चिकित्सालय, बीएमवाय में मरीजों को बेडशीट एवं फूड पैकेट्स का वितरण किया गया।



यह कार्यक्रम श्रीमती राधा गुप्ता, अध्यक्ष, सेक्रो, रायपुर की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। साथ ही श्रीमती शिखा विशनोई एवं श्रीमती सुनीता मिश्रा, उपाध्यक्ष /सेक्रो, श्रीमती संचिता बेनर्जी, कोषाध्यक्ष/सेक्रो, श्रीमती शिवानी गुप्ता, सह सचिव/सेक्रो एवं अन्य सेक्रो सदस्यों की भी कार्यक्रम में पूर्ण सहभागिता रही।

हिंदी नाटक ' हम क्यूं नहीं गाते ' को प्रथम स्थान

रेलवे बोर्ड के निदेशानुसार अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ नाटक के चयन हेतु दिनांक 22.07.2022 को क्षेत्रीय स्तर पर हिंदी नाटक प्रतियोगिता 2022 का आयोजन नार्थ ईस्ट रेलवे इंस्टीट्यूट, बिलासपुर में किया गया। इस कार्यक्रम में श्री ए. के. मेश्राम अध्यक्ष, रेलवे भर्ती बोर्ड, बिलासपुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री साकेत रंजन, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी तथा श्री भरत वेद, वरिष्ठ रंगकर्मी, निदेशक एवं लेखक को निर्णायकों के रूप में को आमंत्रित किया गया था।



कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रतियोगिता की शुरुआत मोतीबाग कारखाना की नाटक टीम द्वारा मंचित नाटक ' कडुवा सच ' से हुई तथा दूसरी प्रस्तुति रायपुर मंडल की ओर से हिंदी नाटक ' हम क्यूं नहीं गाते ' की रही। दोनों ही टीमों ने बहुत ही सराहनीय प्रस्तुति दी जिसकी प्रशंसा मुख्य अतिथि एवं निर्णायकों द्वारा की गई। इस अवसर पर उपस्थित दर्शकों ने नाटकों का भरपूर आनंद लिया। रायपुर मंडल द्वारा प्रस्तुत हिंदी नाटक ' हम क्यूं नहीं गाते ' को प्रथम तथा मोतीबाग कारखाना के ' कडुवा सच ' को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्री विक्रम सिंह, वरि. राजभाषा अधिकारी, प्रका., द.पू.म.रे., बिलासपुर द्वारा किया गया।

मुंशी प्रेमचंद की जयंती का आयोजन

दिनांक 01.08.2022 को राजभाषा विभाग, रायपुर द्वारा मंडल कार्यालय स्थित जयशंकर प्रसाद हिंदी पुस्तकालय में हिंदी के प्रख्यात साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनाई गई।

इस अवसर पर सर्वप्रथम डॉ. डी. एन. बिस्वाल, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी ने मुंशी प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात श्री निकेश कुमार पाण्डेय, राजभाषा अधिकारी एवं विभिन्न विभागों से उपस्थित कर्मचारियों ने भी उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किये। श्री निकेश कुमार पाण्डेय, राजभाषा अधिकारी द्वारा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डाला गया।



कार्यक्रम के दौरान श्री अनिल श्रीवास्तव, वरि. सेक्शन इंजीनियर, सिगनल एवं दूरसंचार विभाग, श्री जी. पी. वर्मा, मुख्य कार्यालय अधीक्षक, परिचालन विभाग, श्रीमती रजनी कुमारी, मुख्य कार्यालय अधीक्षक, कार्मिक विभाग, श्री ए. एस. अंसारी, वरि. सेक्शन इंजीनियर, यांत्रिक विभाग, श्री रेणु कुमार वर्मा, वरि. सेक्शन इंजीनियर, यांत्रिक विभाग, श्री कौशल प्रसाद, कार्यालय अधीक्षक, वाणिज्य विभाग, श्री लोकेश कुमार गौतम, कार्यालय अधीक्षक, कार्मिक विभाग, श्री मणिशंकर ओझा, वरि. लिपिक, संरक्षा विभाग द्वारा मुंशी प्रेमचंद की कुछ प्रसिद्ध लघु कहानियों का पाठ किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा अधिकारी श्री निकेश कुमार पाण्डेय ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई।

- हिन्दी सरलता, बोधगम्यता और शैली की दृष्टि से विश्व की भाषाओं में महानतम स्थान रखती है।

- डॉ. अमरनाथ झा

- हिन्दी का किसी क्षेत्रीय भाषा से कोई संघर्ष नहीं है।

- अनंत गोपाल शेवड़े

- हिन्दी उन सभी गुणों से अलंकृत है जिनके बल पर वह विश्व की साहित्यिक भाषा की अगली श्रेणी में समासीन हो सकती है।

- मैथिलीशरण गुप्त

तेलघानी नाका रोड ओवरब्रिज की गर्डर लॉन्चिंग का कार्य संपन्न

लोक निर्माण विभाग (छत्तीसगढ़ सरकार) द्वारा नागपुर-हावड़ा मेन लाइन पर रेलवे स्टेशन के निकट ओएचई मास्ट सं. 829/23एन - 27एन के मध्य तेलघानी नाका चौक के पास मौजूदा आरओबी के बगल में यातायात सुविधा के लिए एक और आरओबी का निर्माण किया जा रहा है। इसकी परामर्शदात्री एजेंसी राइट्स लिमिटेड, रायगढ़ (छ.ग.) एवं निर्माण एजेंसी मेसर्स हरजसराय वरियलदास इंजीनियर्स एंड कंस्ट्रक्टर्स, रायपुर (छ.ग.) है। इस आरओबी की प्रमुख विशेषताएं हैं - पाइल फाउंडेशन, आरसीसी पियर्स एवं एंटी क्रैश बैरियर (आरडीएसओ-बी के अनुसार- 11758 और आरडीएसओ-11757) सहित 10.10 मीटर समग्र चौड़ाई वाले आरसीसी डेक स्लैब, मेन रेलवे स्पैन (1x36 मीटर), नॉन रेलवे स्पैन (तेलघानी नाका साइड 1x36 मीटर और कबीर चौक साइड 1x18 मीटर) के साथ स्टील गर्डर वाला कंपोजिट सुपरस्ट्रक्चर।

जीएडी की मंजूरी मिलने के बाद दिनांक 15.12.2021 को स्ट्रक्चरल ड्राइंग, एसईसी रेलवे से लॉन्चिंग स्कीम और सीआरएस की स्वीकृति मिली। भिलाई में आरडीएसओ द्वारा अनुमोदित वेंडर (कोरफैब प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड) परिसर में निर्मित 36 मिलियन स्पैन के 04 कंपोजिट स्टील गर्डर्स और गर्डर्स का निरीक्षण राइट्स इंस्पेक्शन विंग, मुंबई द्वारा अनुमोदित गुणवत्ता आश्वासन योजना और डब्ल्यूपीएसएस के अनुसार किया गया है। अंतिम निरीक्षण के बाद गर्डरों को आरओबी साइट पर ले जाया गया तथा राइट्स और रेलवे इंजीनियरों की देखरेख में असेंबलिंग की गई। क्यूएपी के अनुरूप सभी आवश्यक परीक्षण पूरा होने के बाद रेलवे स्पान में लॉन्च करने के लिए संबंधित विभाग द्वारा मंजूरी दे दी गई।

एलसी संख्या 414 पर कट और कवर विधि द्वारा प्रीकास्ट आरसीसी बॉक्स लगाने के लिए 10/11 जुलाई 2022 की रात को रेलवे स्पान में कंपोजिट स्टील गर्डर्स की लॉन्चिंग 06 घंटे के रेलवे मेगा ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लेकर 4 घंटे के भीतर सफलता पूर्वक पूरा किया गया।

400 टन की क्षमता वाली एक क्रेन और आपातकालीन प्रयोजन के लिए 300 टन क्षमता की एक स्टैंडबाय क्रेन के साथ गर्डर्स वर्क्स की लॉन्चिंग की गई। गर्डरों का कुल वजन लगभग 172 मीट्रिक टन है, प्रत्येक गर्डर का वजन लगभग 36 मीट्रिक टन है। लोक निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा नवंबर 2022 तक इस आरओबी को चालू करने की योजना बनाई जा रही है।

36 एम. मेन रेलवे स्पैन गर्डर्स की लॉन्चिंग से पहले



36 एम. मेन रेलवे स्पैन गर्डर्स की लॉन्चिंग के बाद



‘रेल मदद एप्प’

रेल यात्रा के समय यात्रियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इन मुसीबतों से बचने के लिए रेल मंत्रालय की ओर से Rail Madad App बनाया गया है। अब शिकायतों का तुरंत समाधान हो जाएगा, किसी को भी किसी के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सफर के दौरान आपकी समस्या की सुनवाई नहीं होती तो आप ‘रेल मदद एप्प’ का सहारा ले सकते हैं। यात्री ‘रेल मदद एप्प’ पर जाकर अपने टिकट का नंबर दर्ज कर शिकायत कर सकते हैं। सफर के दौरान यात्री पानी, बिजली और साफ-सफाई के लिए शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा आप अन्य किसी भी प्रकार की शिकायत इसके जरिए कर सकते हैं। अगर आप रेलवे के किसी कर्मचारी के व्यवहार या फिर काम के रवैये को लेकर शिकायत करना चाहते हैं तो भी इस एप्प की मदद से ले सकते हैं। इसके लिए आपको एक ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा जिसमें आपको शिकायत संबंधी डिटेल, घटना की तारीख, कर्मचारी का नाम, घटनास्थल इत्यादि की जानकारी देनी होगी। फॉर्म में नाम, मोबाइल नंबर की जानकारी देना आवश्यक होता है।



23वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस कान्फ्रेंस में रेलमदद एप्प को प्रशासनिक सुधार की श्रेणी में पुरस्कृत भी किया गया है। रेलमदद एप्प की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इस एप्प के जरिये आप यह भी जान सकते हैं कि आपकी शिकायत का निपटारा हुआ या नहीं। इसकी वजह यह है कि Rail Madad App सीधे तौर पर NTES(राष्ट्रीय ट्रेन पूछताछ प्रणाली) से जुड़ा हुआ है जिसकी वजह से कोई भी शिकायत सीधा संबंधित अधिकारी के पास पहुंचती है, जिससे मामले की सुनवाई जल्द से जल्द हो पाती है। जिनके पास स्मार्ट फोन नहीं है वे 139 नंबर डायल करके रेलवे से सुविधा संबंधी शिकायत कर सकते हैं। हेल्पलाइन नंबर पर पंद्रह तरह की शिकायतों का निपटारा होता है। साथ ही यात्रियों को अहम जानकारी भी मिलती है।

रेल मदद मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से यदि आप शिकायत करते हैं तो उसका तुरंत समाधान किया जाएगा। आपको वरिष्ठ अधिकारियों के पास जाकर शिकायत करने की जरूरत नहीं क्योंकि आपकी शिकायत अपने आप वरिष्ठ अधिकारी के पास पहुंच जाएगी और उनके ऑफिस से आपको संपर्क किया जाएगा। इस एप्प पर प्राप्त शिकायत मिलने के बाद रेलकर्मि संबंधित यात्री को फोन कर विस्तृत जानकारी प्राप्त करेगा और संबंधित समस्या को तुरंत दूर किया जाएगा। इस एप्प पर रेलवे सुझाव भी दिए जा सकेंगे। रेलवे बोर्ड द्वारा हेल्पलाइन नंबर 139 की तरह शिकायत व सुझाव के सभी माध्यमों को रेल मदद एप्प में समायोजित कर दिया गया है।

- हिन्दी देश की एकता की कड़ी है। - डॉ. जाकिर हुसैन
- हिंदी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्रोत है। - सुमित्रानंदन पंत
- हिन्दी के द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है। - महर्षि स्वामी दयानंद
- जीवन के छोटे से छोटे क्षेत्र में हिन्दी अपना दायित्व निभाने में समर्थ है। - पुरुषोत्तम दास टंडन
- हिन्दी भाषा और हिन्दी साहित्य को सर्वांग सुंदर बनाना हमारा कर्तव्य है। - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

लघुकथाएं

परदेस में संकट

एक बार मुल्ला नसरुद्दीन के मन में दूसरे मुल्कों का दौरा करने का विचार आया। उनकी इच्छा थी कि वे दूसरे मुल्कों के इल्म और तौर-तरीके सीखें।

गधे पर बैठे मुल्ला शाम के समय एक सराय पहुंचे। उनको देखते ही सराय मालिक दोनों हाथ फैलाकर उनकी ओर बढ़ा - 'खुशामदीद ! खुशामदीद ! आइए तशरीफ लाइए। आपकी खातिरदारी में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। किसी चीज की जरूरत पड़े तो बस एक आवाज भर लगा दें, हम फौरन हाजिर हो जाएंगे।'

सराय के लोगों के इस रवैए से मुल्ला काफी प्रभावित हुए। रात्रि होने पर वे अपने कमरे में सोने के लिए चले गए। कुछ देर नींद के बाद मुल्ला को बहुत जोर की प्यास लगी। वहां पानी का जग न पाकर वह आवाज देने लगे - 'पानी! पानी! पानी!' लेकिन कोई आया नहीं। मुल्ला का पारा चढ़ गया - 'कहां तो ये कह रहे थे और अब!'

मुल्ला चिल्लाए - 'आग! आग! आग!' यह सुनते ही सारे नौकर पानी के बरतन भर-भर कर मुल्ला की ओर दौड़े। दरवाजे पर पहुंचते ही उन्होंने पूछा - 'कहां है आग?'

तमतमाए मुल्ला ने फौरन कहा - 'यहां मेरे मुंह में।'

मछुआरा

एक बार एक मछुआरा समुद्र किनारे आराम से छांव में बैठकर शांति से बीड़ी पी रहा था।

अचानक एक बिजनेसमैन वहाँ से गुजरा और उसने मछुआरे से पूछा "तुम काम करने के बजाय आराम क्यों फरमा रहे हो?"

इस पर गरीब मछुआरे ने कहा "मैं आज के लिये पर्याप्त मछलियाँ पकड़ चुका हूँ।"

यह सुनकर बिजनेसमैन गुस्से में आकर बोला "यहाँ बैठकर समय बर्बाद करने से बेहतर है कि तुम क्यों ना और मछलियाँ पकड़ो।"

मछुआरे ने पूछा "और मछलियाँ पकड़ने से क्या होगा?"

बिजनेसमैन : उन्हे बेंचकर तुम और ज्यादा पैसे कमा सकते हो और एक बड़ी बोट भी ले सकते हो।

मछुआरा :- उससे क्या होगा ?

बिजनेसमैन :- उससे तुम समुद्र में और दूर तक जाकर और मछलियाँ पकड़ सकते हो और ज्यादा पैसे कमा सकते हो।

मछुआरा :- "उससे क्या होगा ?"

बिजनेसमैन : "तुम और अधिक बोट खरीद सकते हो और कर्मचारी रखकर और अधिक पैसे कमा सकते हो।"

मछुआरा : "उससे क्या होगा ?"

बिजनेसमैन : "उससे तुम मेरी तरह अमीर बिजनेसमैन बन जाओगे।"

मछुआरा :- "उससे क्या होगा ?"

बिजनेसमैन : "अरे बेवकूफ उससे तू अपना जीवन शांति से व्यतीत कर सकेगा।"

मछुआरा :- "तो आपको क्या लगता है, अभी मैं क्या कर रहा हूँ ?!!"

संकलनकर्ता - हरीश चंद्र कर

लोको पायलट (गुड्स), रायपुर

माह के साहित्यकार - सुभद्रा कुमारी चौहान

जन्म	: 16 अगस्त 1904
निधन	: 15 फरवरी 1948
जन्म स्थान	: निहालपुर, इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश)
प्रमुख कृतियाँ	: 'मुकुल', 'त्रिधारा', बिखरे मोती, उन्मादिनी, सीधे-साधे चित्र आदि
विविध	: सेकसरिया पुरस्कार, स्वतंत्रता सेनानी के रूप में राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका।



यह कदम्ब का पेड़

यह कदम्ब का पेड़ अगर माँ होता यमुना तीरे ।
मैं भी उस पर बैठ कन्हैया बनता धीरे-धीरे ॥
ले देतीं यदि मुझे बाँसुरी तुम दो पैसे वाली ।
किसी तरह नीची हो जाती यह कदम्ब की डाली ॥
तुम्हें नहीं कुछ कहता पर मैं चुपके-चुपके आता ।
उस नीची डाली से अम्मा ऊँचे पर चढ़ जाता ।
वहीं बैठ फिर बड़े मजे से मैं बाँसुरी बजाता ।
अम्मा-अम्मा कह वंशी के स्वर में तुम्हें बुलाता ॥
सुन मेरी बंसी को माँ तुम इतनी खुश हो जाती ।
मुझे देखने काम छोड़कर तुम बाहर तक आती ॥
तुमको आता देख बाँसुरी रख मैं चुप हो जाता ।
पत्तों मे छिपकर धीरे से फिर बाँसुरी बजाता ॥
गुस्सा होकर मुझे डाटती, कहती "नीचे आजा" ।
पर जब मैं ना उतरता, हँसकर कहती, "मुन्ना राजा" ॥

"नीचे उतरो मेरे भईया तुझे मिठाई दूँगी ।
नये खिलौने, माखन-मिसरी, दूध मलाई दूँगी" ॥
बहुत बुलाने पर भी माँ जब नहीं उतर कर आता ।
माँ, तब माँ का हृदय तुम्हारा बहुत विकल हो जाता ॥
तुम आँचल फैला कर अम्मां वहीं पेड़ के नीचे ।
ईश्वर से कुछ विनती करती बैठी आँखें मीचे ॥
तुम्हें ध्यान में लगी देख मैं धीरे-धीरे आता ।
और तुम्हारे फैले आँचल के नीचे छिप जाता ॥
तुम घबरा कर आँख खोलतीं, पर माँ खुश हो जाती ।
जब अपने मुन्ना राजा को गोदी में ही पाती ॥
इसी तरह कुछ खेला करते हम-तुम धीरे-धीरे ।
यह कदम्ब का पेड़ अगर माँ होता यमुना तीरे ॥

- सुभद्रा कुमारी चौहान

पाठकों की प्रतिक्रियाएं सादर आमंत्रित हैं । कृपया अपने सुझाव व्हाट्सएप्प नंबर 9752877615 अथवा ई-मेल rbarsecr2006@gmail.com पर प्रेषित करें ताकि हम इसे और बेहतर बना सकें । यह ई-पत्रिका द.पू.म.रेलवे की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है ।

मंडल की गतिविधियां संबंधी विवरण एवं फोटोग्राफ्स जनसंपर्क अनुभाग, रायपुर से साभार ।